मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम

डीटीएनएन

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को ङ्क(वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि भूमि की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

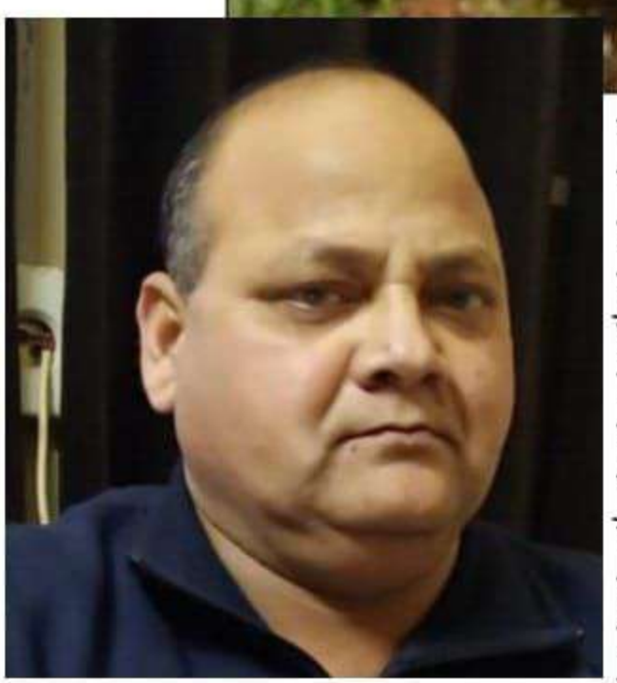

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

4, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, शनिवार, 06 मई, 2023 पृष्ठ: 8

मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तमः डा0 खलील खान मृदा वैज्ञानिक

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को ट(वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि भूमि की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधान के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

वाहन स्वामी 08 मई को मण्डी समिति में अपने वाहन उपलब्ध कराएं-एडीएम प्रशासन

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शनिवार, 06 मई 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम.. डॉ खलील खान मृदा वैज्ञानिक

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(मीनाक्षी राहुल सोनकर)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को ङ्क(वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के

बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि भूमि की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 300 कानपुर, शनिवार 06 मई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम : खलील

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को (वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के

बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि भूमि की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्राय: मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

वर्ष-17 अंक-122 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, शनिवार 06 मई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तमः डॉ. खलील खान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को डू(वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि भूमि की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने

से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 09, अंक

मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम : डॉ खलील

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को (वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े

की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि भूमि की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्राय: मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

फसलों की पैदावार को मिट्टी की जांच आवश्यक

❑ मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम

डॉ. खलील खान

कानपुर, 5 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को (वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि भूमि की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

मई में कराएं मिट्टी की जांच, दोगुनी होगी पैदावार

कानपुर। फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए मिट्टी का स्वस्थ रहना जरूरी है। इसलिए मिट्टी की जांच अवश्य करानी चाहिए। मिट्टी की जांच के लिए मई सबसे उपयुक्त माह है। यह बातें चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कही। विवि में हुई संगोष्ठी में किसानों को सलाह देते हुए बताया कि किसी भी खेत में पांच जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शनिवार • 6 मई • 2023

मई में मृदा की जांच अवश्य कराएं किसान

सहारा न्यूज ब्यूरो

नपुर।

शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
पुर के कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह के निर्देश पर कृषि
ान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील
ने किसानों को सलाह दी है कि वह इस माह अपने
ं की मृदा जांच अवश्य करा लें। मृदा जांच के लिए
का महीना सर्वोत्तम होता है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान को अपने खेतों से
ो का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।
खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत
ाकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से
सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना ले लें। सर्वप्रथम
ानों को वी के आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना

मिट्टी की जांच एवं नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम

मिट्टी की उर्वरता नापना व पोषक तत्वों की कमी का पता करना है इसका उद्देश्य

चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख दें।

इसके बाद मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण के लिये प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लें। मृदा परीक्षण के बाद किसानों को उर्वरक संस्तुति पत्र (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है, जिसके आधार पर किसान अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग कर सकते हैं। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि भूमि की जांच का मुख्य उद्देश्य मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है, जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है। श्री खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक ठीक रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती है। मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि सभी फसलों के उचित और बढ़िया उत्पादन के लिये पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।